# पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

(छ,ग, भाासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा स्थापित)
कोनी – बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ,ग,) 495009 दूरभाष क्रमांक : (07752) 240715
www.pssou.ac.in E-mail-registar@pssou.ac.in

## पाठ्यक्रम

## बी.ए.

## मनोविज्ञान

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

# बी.ए. प्रथम वर्ष
# सामान्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएँ (प्रथम प्रश्नपत्र)


खण्ड – 1

अध्याय 1 :विषय – प्रवेश

अध्याय 2 :मनोविज्ञान की विधियाँ

खण्ड – 2

अध्याय 3 :व्यवहार के दैहिक आधार

अध्याय 4 :संवेग : अभिव्यक्ति और नियन्त्रण

खण्ड – 3

अध्याय 5 :संवेदना प्रक्रियाएँ

अध्याय 6 :प्रत्यक्षीकरण

अध्याय 7 :अवधान प्रक्रियाएँ

अध्याय 8 :चिन्तन प्रक्रिया

खण्ड – 4

अध्याय 9 : अधिगम

अध्याय 10 :स्मृति

अध्याय 11 :विस्मरणः प्रक्रिया और सिद्धान्त

अध्याय 12 :बुद्धि : प्रकृति और प्रकार

अध्याय 13 :अभिप्रेरणा

अध्याय 14 :व्यक्तित्व



VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

# सामाजिक मनोविज्ञान

## (द्वितीय प्रश्नपत्र)

## खण्ड – 1

**अध्याय– 1 सामाजिक मनोविज्ञानः अर्थ, प्रकृति, कार्यक्षेत्र एवं उपयोगिता**

उद्देश्य, परिचय, सामाजिक मनोविज्ञान का अर्थ, परिभाषाएँ, सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति, सामाजिक मनोविज्ञान का कार्यक्षेत्र, सामाजिक मनोविज्ञान की उपयोगिता, सामाजिक व्यवहार के नियम।

**अध्याय– 2 सामाजिक मनोविज्ञान की विधियाँ**

उद्देश्य, परिचय, प्रयोगात्मक विधिः चरण, लाभ तथा दोष, सर्वेक्षण विधिः चरण, लाभ तथा दोष, साक्षात्कार विधिः पद, प्रकार, लाभ तथा सीमाएँ, समाजमिति विधिः प्रकार, समाजमितीय विश्लेषण, की विधियाँ, लाभ तथा दोष, प्रेक्षण विधिः गुण तथा दोष, असहभागी प्रेक्षणः गुण तथा अवगुण।

## खण्ड – 2

**अध्याय– 3 सामाजिक प्रत्यक्षीकरण**

उद्देश्य, परिचय, प्रत्यक्षीकरण, सामाजिक प्रत्यक्षीकरण के निर्धारक, व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण के ढ़ंग, व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण के निर्धरक, व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण में प्रत्यक्षीकरणकर्त्ता, छवि निर्माण में सूचना संसाधन, व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण में अशाब्दिक संकेत का महत्व, रूढ़ि युक्तियों का व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण में महत्व।

**अध्याय– 4 प्रति सामाजिक व्यवहार व परोपकारी व्यवहार प्रति सामाजिक व्यवहार के सिद्धान्त**

उद्देश्य, परिचय, प्रतिसामाजिक व्यवहार का अर्थ व स्वरूप, सहायता परक व्यवहार का अर्थ व स्वरूप, सहायता परक व्यवहार की विशेषता, परोपकारिता व्यवहार का अर्थ व स्वरूप, परोपकारीता के प्रकार, परोपकारिता की अवस्थाएँ या चरण, प्रति सामाजिक व्यवहार के निर्धारकः परिस्थितिजन्य निर्धरक, सामाजिक निर्धरक, व्यक्तिपरक निर्धरक, प्रतिसामाजिक व्यवहार के सिद्धान्त।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

## खण्ड – 3

### अध्याय– 5 पूर्वाग्रह

उद्देश्य, परिचय, पूर्वाग्रह का अर्थ, पूर्वाग्रह और विभेद में सम्बन्ध, पूर्वाग्रह की विशेषताएँ, पूर्वाग्रह के प्रभाव, पूर्वाग्रह के प्रकार, पूर्वाग्रह के निर्माण और विकास के कारण, पूर्वाग्रह एवं विभेद को कम करने की विधियाँ।

### अध्याय– 6 रूढ़ियुक्तियाँ

उद्देश्य, परिचय,रूढियुक्तियों का सामाजिक जीवन में महत्व, पूर्वग्रहित निर्णय और संघर्ष, भारत में सामूहिक तनाव और संघर्ष, साम्प्रदायिकता के निराकरण के उपाय।

### अध्याय– 7 सामाजिक अभिवृत्तियाँ

उद्देश्य, परिचय, प्रकृति, विशेषताएँ, अभिवृत्ति और विश्वास, अभिवृत्ति और प्रेरणाएँ, अभिवृत्ति और मूल्य, अभिवृत्तियों का वर्गीकरण, अभिवृत्तियों का निर्माण और विकास, अभिवृत्तियों में परिवर्तन,
अभिवृत्तियों का मापन :– थर्सटन की समविस्तार पद्धति, लिकर्ट की तीव्रता योग मापक पद्धति, बोगार्डस की सामाजिक दूरी मापनी, एडवर्ड और किलपैट्रि की मापनी, विभेद प्रविधि, समाजमिति विधि, अर्थ विभेदन प्रविधि, सर्वेक्षण साक्षात्कार।

### अध्याय– 8 अन्तः वैयक्तिक आकर्षण

उद्देश्य, परिचय, अन्तः वैयक्तिक आकर्षण का अर्थ और प्रकृति, अन्तः वैयक्तिक आकर्षण के निर्धारक।

## खण्ड – 4

### अध्याय– 9 सामाजिक–मनोवैज्ञानिक समूह

उद्देश्य, परिचय, सामाजिक मनोवैज्ञानिक समूह की परिभाषा, समूह निर्माण, समूह की संरचना, समूह के कार्य, समूह की गतिशीलता, समूहों का वर्गीकरण, समूह के प्रकारः प्राथमिक तथा द्वितीयक समूह, अन्य प्रकार के समूह।

### अध्याय– 10 समूह समग्रता

VERIFIED

उद्देश्य, परिचय, समूह समग्रता, समूह समग्रता के निर्धरक, समूह प्रभावशीलता, समूह प्रभावशीलता को प्रभावित करने वाले कारक।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

**अध्याय– 11 नेतृत्व**

उद्देश्य, परिचय, नेतृत्व का अर्थ, नेतृत्व और प्रभुत्व में अन्तर, नेतृत्व की व्यक्तिगत विशेषताएँ या आयाम, नेतृत्व के कार्य, नेतृत्व का विकास या उत्पत्ति, नेतृत्व की प्रविधियाँ, नेतृत्व के प्रकार, नेतृत्व के सिद्धान्त।

**अध्याय – 12 सामाजिक मानक और अनुरूपता**

उद्देश्य, परिचय, सामाजिक मानक– अर्थ, विशेषताएँ, सामाजिक व्यवहार पर प्रभाव, प्रमुख सामाजिक मानक– परम्परा, प्रथाएँ, जनरीतियाँ, रूढ़ियाँ, सामाजिक मानकों का निर्माण, प्रयोगशाला में मानकों का निर्माण, प्रभावित करने वाले कारक, मानक और सामाजिक भूमिका, सामाजिक अनुरूपता– अर्थ, सिद्धान्त, कारक, अनुरूपता वितरण, अभिप्रेरणा, और वितरण, संवेगात्मक उद्वोलन और अनुरूपता।

**अध्याय – 13 जनसंख्या विस्पफोट**

उद्देश्य, परिचय, भारतवर्ष में जनसंख्या विस्पफोट और उसके परिणाम, जनसंख्या वृत्ति के मनोवैज्ञानिक कारण, जन्म दर नियन्त्रण के कारक, जन्म दर नियन्त्रण के कुछ प्रमुख कारक।

**अध्याय – 14 आक्रामकताः निर्धारक, निवारण तथा नियन्त्रण**

उद्देश्य, प्रस्तावना आक्रामकता का अर्थ, परिभाषाएँ, आक्रामकता के सिद्धान्त, आक्रामकता और हिंसा के निर्धरक, आक्रामक और हिंसक व्यवहार का नियन्त्रण।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PRSOU, CG Bilaspur

बी. ए. प्रथम वर्ष_(मनोविज्ञान)

विषय–प्रायोगिकी

तृतीय प्रश्न पत्र

अंक वितरण :–

01. परीक्षा भवन में एक प्रयोग लेखन
02. परीक्षा भवन में एक परीक्षण लेखन
03. प्रायोगिक कापी
04. मौखिक परीक्षा
05. जीवन वृतांत विधि (परियोजना कार्य)

प्रयोग कोई – चार

01. प्रत्यक्षीकरण पर मानसिक तत्परता का प्रभाव
02. प्रत्यक्षीकरण में कुंठा की भूमिका
03. ध्यान विभाजन
04. क्रमिक सीखना विधि
05. पृष्ठोन्मुख अवरोध
06. अल्पकालीन स्मृति
07. सम्प्रत्यय निर्माण
08. मुखाकृति परिवर्तन देखकर संवेग की पहचान

परीक्षण कोई–चार

01. शाब्दिक/अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
02. व्यक्तित्व परीक्षण
03. चिंता परीक्षण
04. विषाद परीक्षण,
05. समायोजन परीक्षण
06. उपलब्धि अभिप्रेरणा
07. तनाव–सहनशीलता परीक्षण

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

# बी. ए. द्वितीय वर्ष

## मनोविज्ञान मापन

## (प्रथम प्रश्नपत्र)

### खण्ड – 1

**अध्याय 1 : मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन – धारणा, मूल्यांकन के स्तर**

मूल्यांकन का परिचय, मूल्यांकन का अर्थ, मापन एवं मूल्यांकन – एक तुलना, शैक्षिक मूल्यांकन का स्वरूप, मूल्यांकन के सिद्धांत, मूल्यांकन के उद्देश्य, शैक्षिक मूल्यांकन की प्रक्रिया, शैक्षिक मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान, मूल्यांकन के उपकरण एवं प्रविधियाँ, मूल्यांकन की उपयोगिता एवं महत्व,

**अध्याय 2 : मनोवैज्ञानिक परीक्षण : धरणा, प्रकार एवं उपयोग**

परिचय,मनोवैज्ञानिक परीक्षण की आवश्यकता, मनोवैज्ञानिक परीक्षण का अर्थ एवं स्वरूप, परीक्षण एवं मापन में अन्तर, परीक्षण एवं प्रयोग में अन्तर, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के उद्देश्य, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के उपयोग, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रारूप, मनोवैज्ञानिक में मापन एवं मूल्यांकन उपकरण, मापन व मूल्यांकन की तकनीक, मापन व मूल्यांकन के उपकरण,

**अध्याय 3 : परीक्षण रचना**

परिचय,परीक्षण रचना, परीक्षण योजना बनाना, परीक्षण के प्रारम्भिक रूप की तैयारी करना, परीक्षण के प्रारम्भिक रूप की जाँच करना, पद–विश्लेषण, परीक्षण का मूल्यांकन करना, परीक्षण के अन्तिम रूप की रचना,

### खण्ड – 2

**अध्याय 4 : परीक्षण वैधता**

परिचय,वैधता तथा विश्वसनीयता में सम्बन्ध, परीक्षण वैधता का अर्थ, वैधता कसौटियाँ, परीक्षण वैधता के प्रकार, आन्तरिक कसौटियों के आधर पर परीक्षण वैधता के प्रकार, बाह्य कसौटियों के आधर पर वैधता के प्रकार, वैधता–गणांक तथा क्रौस वैधकरण, वैधता–गुणांक ज्ञात करने की विधियाँ,

**अध्याय 5 : परीक्षण विश्वसनीयता**

परिचय,विश्वसनीयता का अर्थ, परीक्षण – विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियाँ, विश्वसनीयता देशनांक, मापन की मानक त्रुटि, मापन की सम्भाव्य त्रुटि, विश्वसनीयता गुणांक, परीक्षण–विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाली स्थितियाँ, विश्वसनीयता – गुणांक को प्रभावित करने वाले कारक, परीक्षण –विश्वसनीयता का बढ़ना, परीक्षण – अविश्वसनीयता के कारण,

**अध्याय 6 : मानक : आयु तथा श्रेणी मानक**

परिचय,परीक्षण मानकीकरण का अर्थ, परीक्षण मानकीकरण की प्रक्रिया, मानक, मानक का अर्थ, मानकों के प्रकार, आयु मानक, श्रेणी मानक,

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

## खण्ड – 3

**अध्याय 7 : बुद्धि स्वरूप एवं मापन**

परिचय,बुद्धि का स्वरूप एवं अर्थ, बुद्धि के सिद्धांत– बिने का एक कारक बुद्धि सिद्धांत स्थीयमैन का दो कारक बुद्धि सिद्धांत स्पीयर मैन का तीन कारक बुद्धि सिद्धांत, थॉर्नडाइक का बहु–कारक बुद्धि सिद्धान्त, थर्स्टन का समूह कारक बुद्धि सिद्वांत, थॉमसन का प्रतिदर्श बुद्धि सिद्धांत, बर्ट एवं वर्नन का पदानुक्रमिक बुद्धि सिद्धात, गिलपफोर्ड का त्रिय–आयाम बहु–सिद्धांत, हैब एवं कैटिल का आधुनिक बुद्धि सिद्धांत, यियाजे का मानसिक बुद्धि सिद्धांत, बुद्धि मापन का ऐतिहासिक विकास, बिने साइमन मापनी का विभिन्न देशों में अनुकूलन, सामूहिक बुद्धि परीक्षणों का विकास, बुद्धि परीक्षण के विकास में भारतीय योगदान, बिने–परीक्षणों का भारतीय संशोधन एवं अनुकूलन, शाब्दिक–बुद्धि–परीक्षणों का विकास, अशाब्दिक बुद्धि–परीक्षणों का विकास, निष्पादन बुद्धि परीक्षणों का विकास, बुद्धिपरीक्षण से आशय, मानसिक आयु एवं शारीरिक आयु, बुद्धि–लब्धि–विचलन बुद्धि लब्धि, बुद्धि लब्धि स्थिरता, बुद्धि–परीक्षणों के उपयोग, बुद्धि–परीक्षणों के प्रारूप, व्यक्तिगत बुद्धि–परीक्षण, सामूहिक बुद्धि परीक्षण, शाब्दिक बुद्धि परीक्षण, अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण, शाब्दिक बुद्धि परीक्षण, अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण, निष्पादन बुद्धिपरीक्षण, प्रमुख प्रचालित बुद्धि परीक्षण, नवीन विदेशी बुद्धि–परीक्षण।,

**अध्याय 8 : अभिक्षमता परीक्षण**

परिचय, अभिक्षमता का स्वरूप, अभिक्षमता की विशेषताएँ, अभिक्षमता परीक्षण का अर्थ, अभिक्षमता परीक्षण के प्रकार, सामान्य या विभेद अभिक्षमता परीक्षण, विशिष्ट क्षेत्रों के अभिक्षमता परीक्षण, अभिक्षमता परीक्षण के क्षेत्र में भारतीय योगदान, प्रतिनिध्यात्मक अभिक्षमता परीक्षणमालाएँ,

**अध्याय 9 : उपलब्धि परीक्षण**

परिचय, ऐतिहासिक अवलोकन, भारत में उपलब्धि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण का अर्थ, उपलब्धि एवं बुद्धि परीक्षण, उपलब्धि एवं अभिक्षमता परीक्षण, उपलब्धि एवं निदानात्मक परीक्षण, शैक्षिक एवं उपलब्धि आयु तथा लब्धि, उपलब्धि परीक्षणों का उपयोग, उपलब्धि परीक्षण की सीमाएँ, एक उत्तम उपलब्धि परीक्षण की विशेषताएँ, उपलब्धि परीक्षण की विश्वसनीयता, उपलब्धि परीक्षणों की वैध्ता, मानकीकृत एवं अध्यापक निर्मित उपलब्धि परीक्षणों में भेद, मानकीकृत उपलब्धि परीक्षण, सामान्य उपलब्धि परीक्षणमालाएँ, विशिष्ट उपलब्धि परीक्षण, कुछ प्रमुख विदेशी उपलब्धि परीक्षण,

## खण्ड – 4

**अध्याय 10 : अध्यापक–निर्मित उपलब्धि परिक्षण**

परिचय, निबन्धत्मक परीक्षाएँ, अध्यापक निर्मित वस्तुनिष्ठ परीक्षण,

**अध्याय 11 : रुचि मापन एवं परीक्षण**

परिचय, रूचि का अर्थ, रूचि एवं अन्य प्रत्ययों में अन्तर, रूचियों का उद्गम, रूचियों के प्रारूप, रूचियों मापन–कब और कैसे, रूचि–परीक्षणों का ऐतिहासिक अवलोकन, भारत में रूचि–परीक्षणों का विकास, रूचि–परीक्षणों के प्रारूप, प्रमुख विदेशी एवं भारतीय रूचि परीक्षण, कुछ प्रमुख विदेशी रूचि परीक्षण,

**अध्याय 12 : व्यवहारिक मनोविज्ञान : शिक्षा, व्यवसाय तथा स्वास्थ्य**

परिचय, व्यवहारिक मनोविज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं विकास, व्यवहारिक मनोविज्ञान के क्षेत्रा, शिक्षा–औपचारिक शिक्षा की प्रणालियाँ, शैक्षिक मूल्यांकन, औद्योगिक मनोविज्ञान, स्वास्थ्य–स्वास्थ्य की परिभाषा, शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, बौ(कि स्वास्थ्य, आध्यात्मिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य, आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वास्थ्य का आधुनिक दृष्टिकोण,

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU CG Bilaspur

# मनोव्याधिकी
## (द्वितीय प्रश्न पत्र)

### खण्ड – 1

**अध्याय–1 सामान्य और असामान्य की अवधरणा**

असामान्य मनोविज्ञान का इतिहास, असमान्य मनोविज्ञान की अवध्रणा, सामान्य मनोविज्ञान की अवधरणा, असामान्य मनोविज्ञान के प्रकार, असामान्य और असाधरण व्यवहारों के कारण

**अध्याय–2 मनोविकृति के मॉडलः मनोगतिकी, व्यवहारिक तथा संज्ञानात्मक**

मनोविकृति के मॉडलः परिचय, मनोगत्यात्मक दृष्टिकोण, व्यवहारवादी दृष्टिकोण, संज्ञानात्मक दृष्टिकोण।

### खण्ड – 2

**अध्याय–3 मनोविकृति का मूल्यांकन**

मनोविकृति मूल्यांकन का परिचय, निदान एवं मूल्यांकन में संबंध, दैहिक मूल्यांकन, मनोसामाजिक मूल्यांकन।

**अध्याय–4 नैदानिक परीक्षण**

नैदानिक परीक्षण का परिचय, नैदानिक परीक्षण के प्रमुख उद्देश्य, नैदानिक परीक्षण का निर्माण एवं मानकीकरण, नैदानिक परीक्षण एवं उपचारात्मक अध्यापन में उपलब्ध ग्रंथ क्रियात्मक अनुसंधन।

**अध्याय–5 निर्धरण माननियां**

निर्धरण मापनियों का परिचय, निर्धरण मापनियों के प्रकार, निर्धरण मापनियों के निर्माण और प्रयोग संबंधी समस्याएं, निर्धारण मापनियों का सामान्य मूल्यांकन।

**अध्याय–6 नैदानिक साक्षात्कार**

नैदानिक साक्षात्कारः परिचय, साक्षात्कार के प्रकार, नैदानिक साक्षात्कार की विशेषताएं।

**अध्याय–7 प्रक्षेपी प्रविधियाँ**

प्रक्षेपीप्रविधियों का परिचय एवं अर्थ, प्रक्षेपी प्रविधियों का स्वरूप, प्रक्षेपी प्रविधियों की विशेषताएं, प्रक्षेपी प्रविधियों की सीमाएँ, व्यक्तित्व सूची एवं प्रक्षेपी प्रविधियों में भेद, प्रक्षेपी प्रविधियों के प्रारूप, प्रमुख प्रचलित प्रक्षेपी प्रविधियाँ।

### खण्ड – 3

**अध्याय–8 भीषिका विकृति**

भीषिका विकृति का परिचय, भीषिका एवं चिंता में अंतर, भीषिका विकृति के कारक।

**अध्याय–9 दुर्भीति विकृतियाँ**

दुर्भीति विकृतियों का परिचय, दुर्भीति के लक्षण, दुर्भीति के प्रकार, विशिष्ट दुर्भीति, अधिगम व्यवहार के रूप में दुर्भीति, संज्ञानात्मक कारक, विशिष्ट दुर्भीति की चिकित्सा।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्याय–10 **मनोगस्तता– बाध्यता विकृति**

मनोगस्तता–बाध्यता विकृति का परिचय, मनोगस्तता–बाध्यता विकृति की विशेषताएं, मनोगस्तता– बाध्यता विकृति के कारक, चिकित्सा

अध्याय–11 **चिंता विकृतियाँ**

चिंता विकृतियों का परिचय, भय एवं चिंता, चिंता के सामान्य लक्षण, सामान्यीकृत चिंता विकृति, जी.ए.डी. की सामान्य विशेषताएं, सामान्यीकृत चिंता विकृति में उत्पन्न होने वाले संभावित लक्षण मनोदशा एवं शारीरिक लक्षण, संज्ञानात्मक एवं व्यवहारिक लक्षण हेतुकी, मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोण।

अध्याय–12 **मनोविच्छेदी विकृति**

मनोविच्छेदी विकृति का परिचय, मनोविच्छेदी विकृति के प्रकार, मनोविच्छेदी आत्मविस्मृति, मनोविच्छेदी पहचान विकृति, व्यक्तित्वलोप विकृति

## खण्ड – 4

अध्याय–13 **मनोदशा विकृतियाँः कठिन विषादी विकृति, विषादी मनोदशा**

मनोदशा विकृतियों का परिचय, विषादी मनोदशा, विषादी के जोखिमपूर्ण कारक, एकध्रुवीय विकृति।

अध्याय–14 **व्यक्तित्व विकृतियाँः उत्साह–विषाद, व्यामोहि, मनोविदलन, अवलम्बी, डायस्येमिक विकृति**

व्यक्तित्व विकृतियों का परिचय, व्यक्तित्व विकृतियों की नैदानिक विशेषताएं, व्यक्तित्व विकृतियों के प्रकार, व्यामोही व्यक्तित्व विकृति, मनोविदलन व्यक्तित्व विकृति, अवलम्बी व्यक्तित्व विकृति, उत्साह–विषाद मनोविक्षिप्तता, प्रकार, लक्षण, कारण, उपचार, मनोदशा विकृति।

अध्याय–15 **मनोवैज्ञानिक पद्धतियाँः तनाव एवं तनाव प्रबंध्न, विद्युत–आघात, मनोविश्लेषण, समूह, व्यवहार चिकित्सा पद्धति**

मनोवैज्ञानिक पद्धतियों का परिचय, मनोविश्लेषण पद्धति, विद्युत आद्यात पद्धति, व्यवहार चिकित्सा

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी. ए. द्वितीय वर्ष_(मनोविज्ञान)

विषय–प्रायोगिकी

तृतीय प्रश्न पत्र

अंक वितरण :–

01. परीक्षा भवन में एक प्रयोग लेखन
02. परीक्षा भवन में एक परीक्षण लेखन
03. प्रायोगिक कापी
04. मौखिक परीक्षा
05. परियोजना

प्रयोग कोई – चार

01. सामाजिक शहरी करण
02. समाजिमिति
03. रूढ़ियुक्ति
04. व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण पर सूचना क्रम का प्रभाव
05. निष्पादन पर नेतृत्व प्रभाव
06. सूचना दाता की महत्ता का प्रभाव
07. मनोवृत्ति–परिवर्तन में संज्ञान की भूमिका
08. मत–परिवर्तन में समूह निर्णय का प्रभाव

परीक्षण कोई–चार

01. आक्रामकता
02. वचन
03. आत्म–प्रत्यय
04. निर्भरता मापनी
05. मूल्य
06. व्यवसायिक रूचि
07. मनोवृत्ति परिवर्तन
08. रचनात्मकता

परियोजना कार्य – अस्पताल, उद्योग, संगठन, शैक्षिक, संस्था इत्यादि का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन और वस्तुनिष्ठ प्रतिवेदन तैयार करना।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

# बी. ए. अंतिम वर्ष

# मानव विकास

## (प्रथम - प्रश्न पत्र)

## ईकाई – 1

**अध्याय – 1 मानव विकास की धारणा एवं निर्धारक तत्व**

मानव विकास की अवधारणा एवं नियम, वृद्धि एवं विकास में अन्तर, विकास का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ, मानव विकास में वंशानुक्रमण और पर्यावरण का तुलनात्मक महत्व, मानव विकास का विषय का क्षेत्र और समस्याएँ।

**अध्याय – 2 मानव विकास के सिद्धांत :मनोविश्लेषणात्मक और मैसलों एवं अध्ययन प्रणालियां**

मानव विकास के सिद्धात फायड का मनोविश्लेषणात्मक या मनो–लैंगिक विकास सिद्धात, मानवतावादी मनोविज्ञानः मैसलो का सिद्धात, अध्ययन प्रणालियाँः समकालीन एवं दीर्घकालीन अध्ययन प्रणालिया।

**अध्याय – 3 समाजीकरण**

समाजीकरण और सामाजिक सीखना, समाजीकरण और निर्भरता, समाजीकरण और तादात्मीकरण, समाजीकरण की प्रविधियाँ, समाजीकरण के साधन, समाजीकरण के निर्धरक, समाजीकरण के सिद्धांत, समाजीकरण के प्रतिफल, समाजीकरण की अवस्थाएँ, सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले तत्व।

## ईकाई – 2

**अध्याय – 4 संज्ञानात्मक विकास–पियाजे सिद्धांत**

संज्ञानात्मक संरचना या संज्ञानात्मक प्रक्रिया का अर्थ, संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं की विशेषताएँ, पियाजे का संज्ञानात्मक विकास।

**अध्याय – 5 आत्म और पहचान**

उद्देश्य, परिचय, आत्म और आत्म प्रत्यय के पहलू, अन्तःक्रिया में आत्म की उत्पत्ति और विकास, आत्म–उत्पत्ति और विकास के निर्धरक, आत्म विकास के सिद्धात, आत्म की स्थिरता और व्यक्त व्यवहार, आत्म का अन्तः वैयक्तिक सिद्धात, आत्म की स्थिरता के निर्धरण, आत्म–परिवर्तन और व्यक्त व्यवहार।

**अध्याय – 6 संवेगों का क्रमागत विकास**

संवेग, संवेग की परिभाषाएँ, संवेग की दशाएँ, संवेगों की विशेषताएँ, संवेगात्मक विकास की विशेषताएँ, बालकों के संवेगों का महत्व, बालकों के संवेगों की विशेषताएँ, बालकों तथा प्रौढ़ो के संवेगों में अन्तर, संवेगों का क्रमागत विकास, शैशवावस्था में संवेगात्मक विकास, बाल्यावस्था में संवेगात्मक विकास, किशोरावस्था में संवेगात्मक विकास, संवेगों का नियन्त्रण और संवेगात्मक स्थिरता, बालकों के संवेगात्मक व्यवहार को प्रभावित करने वाले तत्व, संवेगात्मक सन्तुलन एवं असन्तुलन, परिपक्वता और अधिगमः अर्थ, महत्व, प्रकार, सामाजिक अधिगमः अनुकरण एवं तादात्मीकरण का विकास पर प्रभाव, शारीरिक और यौन परिपक्वता, विषाद या अवसाद लक्षण, कारण, उपचार।

## ईकाई – 3

**अध्याय – 7 नैतिकता और आत्म धारणा का विकास**

VERIFIED

नैतिकता का अर्थ, नैतिक मूल्यों का अर्थ, कोल बर्ग का प्राणीगत विकास या संज्ञानात्मक सिद्धात, नैतिक, चरित्र एवं धार्मिक विकास को प्रभावित करने वाले तत्व, आत्म प्रत्यक्षीकरण, आत्म प्रत्यक्षीकरण का अर्थ, आत्म प्रत्यय, आत्म प्रत्यय के प्रकार एवं

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

प्रभावित करने वाले कारक, आत्म प्रत्यय का विकास, आत्म प्रत्यय की कुछ विशेषताएँ, आत्म प्रत्यय की संरचना, आत्म प्रत्यक्षीकरण सिद्धांत, आत्म प्रस्तुति, छवि प्रबन्धन, आत्म प्रबन्धन की तकनीकें या रणनीतियाँ, आत्म अनावरणः भय का स्त्रोत और आवश्यकता, आत्म अनावरण में लैंगिक अन्तर, लिंग विकास, शारीरिक रचना और शारीरिक दशा।

**अध्याय – 8 मानव विकास में आने वाली आयु समस्याएँ**

विकास कार्यो की उत्पत्ति, विकासात्मक क्रियाओं का महत्व, विकासात्मक कार्यो में बाधएँ, विभिन्न अवस्थाओं में विकासात्मक कार्य।

## ईकाई – 4

**अध्याय – 9 संज्ञानात्मक विकास**

बुद्धि का अर्थ एवं स्वरूप, संज्ञान का स्वरूप, तार्किक चिन्तन एवं सक्षमता, संज्ञानात्मक क्षमता का विकास, संज्ञान विकास में सन्निहित प्रक्रियाएँ, संज्ञान विकास की अवस्थाएँ, खेल और संज्ञानात्मक विकास, सृजनात्मक क्षमता का विकास, सृजनशील बालकों की विशेषताएँ, बाल्यावस्था में सृजनशीलता की अभिव्यक्ति, पूर्व प्रौढ़ावस्था में संज्ञानात्मक विकास, मध्य आयु में संज्ञानात्मक विकास, वृद्धवस्था में मानसिक क्षमताओं का ह्रास, प्रतिदिन के संज्ञान– 1. प्रत्यक्षीकरण, प्रत्यक्षीकरण का विश्लेषण, संवेदना व प्रत्यक्षीकरण में अन्तर, प्रत्यक्षीकरण की विशेषताएँ, प्रत्यक्षीकरण का शिक्षा में महत्व, कल्पना, कल्पना का वर्गीकरण, कल्पना की शिक्षा में उपयोगिता, चिन्तन, चिन्तन की विशेषताएँ, चिन्तन के प्रकार, चिन्तन के सोपान, चिन्तन के विकास के उपाय, तर्क, तर्क के सोपान, तर्क के प्रकार, तर्क का प्रशिक्षण, समस्या समाधन, समस्या–समाधन में अन्तर, समस्या समाधन की विधियाँ, समस्या की वैज्ञानिक विधि, समस्या–समाधन विधि का महत्व।

**अध्याय – 10 क्रियात्मक विकास**

क्रियात्मक विकास का अर्थ, क्रियात्मक विकास की विशेषताएँ या नियम, क्रियात्मक विकास का महत्व एवं सीमाएँ, बचपनावस्था में क्रियात्मक विकास, बाल्यावस्था में क्रियात्मक विकास, शारीरिक कौशलों का विकास हाथ के कौशल पैरों के कौशल क्रियात्मक विकास या शारीरिक कौशलों के निर्धरण, हाथ के प्रयोग की समस्या।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

# बी. ए. अंतिम वर्ष
# मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी
## (प्रश्न पत्र - द्वितीय)

### इकाई – 1

**अध्याय – 1 सांख्यिकी**

**अध्याय – 2 आवृत्ति वितरण एवं आंकड़ों का ग्राफीय निरूपण**

सांख्यिकी : अर्थ एवं मनोविज्ञान में उपयोगिता, प्राप्तांक की प्रकृति, वर्गीकृत एवं निरंतर चर, आवृत्ति वितरण, आंकड़ों का ग्राफीय निरूपण।

### इकाई – 2

**अध्याय – 3 केन्द्रीय प्रवृत्ति तथा विचलनशीलता के माप**

केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप : मध्यमान, मध्यांक एवं बहुलांक समूहीकृत एवं असमूहीकृत आंकड़े, विचलन शीलता की मापः प्रसार, मानकविचलन, चतुर्थांश विचलन, औसत विचलन केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप एवं विचलनशीलता के अनुप्रयोग।

### इकाई – 3

**अध्याय – 4 सामान्य साम्भाव्यता वक्र**

**अध्याय – 5 सहसम्बन्ध**

सामान्य सम्भाव्यता वक्र की प्रकृति एवं विशेषताएं : विषमता एवं कुकुदता, सहसंबंध : संकल्पना, प्रकार एवं विधियाँ – कोटिय सहसंबंध प्रोडक्ट मूवमेंट (असमूहीकृत आंकड़े), द्विपांतिक एवं चतुष्कोटिय गुणांक।

### इकाई – 4

**अध्याय – 6 आनुमानिक सांख्यिकी**

आनुमानिक सांख्यिकी : शून्य परिकल्पना की संकल्पना, सार्थकता के स्तर, टाईप–I प्रकार, टाईप–II प्रकार की त्रुटि, टी–परीक्षण (असंबंधित आंकड़े)।

**अध्याय – 7 काई वर्ग परीक्षण**

वितरण मुक्त सांख्यिकी : काई–वर्ग, मध्यांक एवं चिन्ह परीक्षण, मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी में कम्प्यूटर की उपयोगिता।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी. ए. तृतीय वर्ष (मनोविज्ञान)

विषय–प्रायोगिकी

तृतीय प्रश्न पत्र

अंक वितरण :–

01. परीक्षा भवन में एक प्रयोग लेखन
02. परीक्षा भवन में एक परीक्षण लेखन
03. प्रायोगिक कापी
04. मौखिक परीक्षा
05. (परियोजना कार्य)

प्रयोग कोई – चार

01. गहराई प्रत्यक्षीकरण
02. अधिगम पर कुंठा का प्रभाव
03. प्रतिक्रिया
04. निष्पादन पर मानसिक थकान का प्रभाव
05. आदत बाधा
06. भ्रम मापन
07. धनात्मक स्थानांतरण

परीक्षण कोई–चार

01. आकांक्षा स्तर
02. निर्देशन की आवश्यकता
03. परिपक्वता मापनी
04. मनोवृत्ति मापनी
05. कक्षा वातावरण मापनी
06. मानसिक स्वास्थ्य
07. पारिवारिक वातावरण
08. नैतिक मूल्य

परियोजना कार्य – अस्पताल, उद्योग, संगठन, शैक्षिक, संस्था इत्यादि का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन और वस्तुनिष्ठ प्रतिवेदन तैयार करना।

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)
Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU CG Bilaspur